



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 258]

No. 258]

नई दिल्ली, मंगलवार, फरवरी 8, 2011/माघ 19, 1932

NEW DELHI, TUESDAY, FEBRUARY 8, 2011/MAGHA 19, 1932

कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 फरवरी, 2011

का.आ. 300(अ).— केंद्रीय सरकार, कंपनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) की धारा 211 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह राय होने पर कि लोकहित में छूट देना आवश्यक है, कंपनी अधिनियम, 1956 की धारा 4क के अधीन यथा विनिर्दिष्ट लोक वित्तीय संस्थाओं को निम्नलिखित शर्तों को पूरा करने के अधीन रहते हुए उनके तुलनपत्र में अनुसूची 6 के भाग 1 के टिप्पण (1) के पैरा (1) के अधीन यथा अपेक्षित विनिधानों को प्रकट करने से, छूट देती है, अर्थात् :—

(i) लोक वित्तीय संस्थाएं, तुलनपत्र में विनिधानों के बारे में निम्नलिखित की बाबत पूरा प्रकटन करेंगी, अर्थात् :—

- (क) स्थावर संपत्ति ;
- (ख) भागीदारी फर्मों की पूंजी ;
- (ग) सभी कोट न किए गए विनिधान ; और
- (घ) समनुरंगी कंपनियों में विनिधान ।

(ii) लोक वित्तीय संस्थाएं, निम्नलिखित संबंधित प्रयोजनों में से प्रत्येक में कोट किए गए विनिधानों के कुल मूल्य को प्रकट करेंगी, अर्थात् :—

- (क) सरकारी और न्यास प्रतिभूतियां ;
- (ख) शेयर ;
- (ग) डिबेंचर ;
- (घ) बंधपत्र ; और
- (ङ) अन्य प्रतिभूतियां ।

(1)

(iii) उपपैरा (i) और (ii) में निर्दिष्ट उपर्युक्त प्रत्येक प्रवर्गों में, विनिधान, जहां मूल्य प्रत्येक प्रवर्ग में कुल मूल्य के दो प्रतिशत से अधिक या एक करोड़ रुपए, इनमें से जो भी कम हो, है, वहां पूर्ण रूप से प्रकटित किया जाएगा, परंतु यह तब जब कि जहां प्रकटन किसी विशिष्ट प्रवर्ग में विनिधान के कुल मूल्य के कम से कम पचास प्रतिशत के प्रकटन के परिणामस्वरूप नहीं है, विनिधान का अतिरिक्त प्रकटन मूल्य के अवरोही क्रम में इस प्रकार किया जाएगा जिससे कि विनिर्दिष्ट प्रकटन लेखा के लिए विनिधान के कुल मूल्य का कम से कम पचास प्रतिशत उस प्रवर्ग में है।

(iv) लोक वित्तीय संस्थाएं इस प्रभाव का एक वचनबंध भी देंगी कि जब कभी कोई शेयर धारक विनिर्दिष्ट विशिष्टियां पूछता है तो वे उसे उपलब्ध कराई जाएंगी;

(v) सभी कौट न किए गए विनिधान पृथक रूप से दर्शित किए जाएंगे;

(vi) कंपनी, जहां कहीं आवश्यक हो, किन्हीं अन्य प्राधिकारियों को जैसा सरकार या अन्य विनियामक निकायों द्वारा अपेक्षित हो, सभी सुसंगत विशिष्टियां फाइल करने का वचन देगी;

(vii) समनुषंगी कंपनियों में या किसी कंपनी में विनिधान जैसे ही यह समनुषंगी हो जाती है, पूर्ण रूप से प्रकटित किए जाएंगे।

2. यह अधिसूचना, 31 मार्च, 2011 को या उसके पश्चात् समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष की बाबत तैयार किए गए तुलनपत्र तथा लाभ और हानि लेखाओं के संबंध में लागू होगी।

[फा. सं. 51/12/2007-सीएल. III]

डॉ. टी. वी. सोमनाथन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF CORPORATE AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 8th February, 2011

S.O. 300(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 211 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government, being of the opinion that it is necessary to grant exemption in the public interest, hereby exempts Public Financial Institutions as specified under section 4A of the Companies Act, 1956 from disclosing Investments as required under paragraph (1) of Note (1) of Part-I of Schedule VI in their balance sheet subject to fulfillment of the following conditions, namely:-

(i) the Public Financial Institutions shall make the complete disclosures about investments in the balance sheet in respect of the following, namely:-

- (a) immovable property;
- (b) capital of Partnership firms;
- (c) all unquoted investments and;
- (d) investments in subsidiary companies.

(ii) the Public Financial Institutions shall disclose the total value of quoted investments in each of the following respective categories, namely:-

- (a) Government and trusts securities;
- (b) shares;
- (c) debentures;
- (d) bonds; and
- (e) other securities.

(iii) in each of the above categories referred to in sub-paragraphs (i) and (ii), investments where value exceeds two percent of total value in each category or one crore rupees, whichever is lower, shall be disclosed fully provided that where disclosures do not result in disclosure of at least fifty percent of total value of investment in a particular category, additional disclosure of investments in descending order of value shall be made so that specific disclosures account for at least fifty percent of the total value of investments in that category;

(iv) the Public Financial Institutions shall also give an undertaking to the effect that as and when any of the shareholders ask for specific particulars the same shall be provided;

(v) all unquoted investments shall be separately shown;

(vi) the company shall undertake to file with any other authorities, whenever necessary, all the relevant particulars as may be required by the Government or other regulatory bodies;

(vii) the Investments in subsidiary companies or in any company such that it becomes a subsidiary, shall be fully disclosed.

2. This notification shall be applicable in respect of balance sheet and profit and loss accounts prepared in respect of the financial year ending on or after the 31st March, 2011.

[F. No. 51/12/2007-CL. III]

Dr. T.V. SOMANATHAN, Jt. Secy.